



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 194] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1986/भाद्र 15, 1908
No. 194] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1986/BHADRA 15, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

फारमिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1986

नियम

सं. 6/3/86-के. से. (1):—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को
भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा
सहायक ग्रेड परीक्षा 1986 के लिए की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा
के नियम आम आतंकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-4 (सहायक);
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (4) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड; और
- (5) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1. कोई भी उम्मीदवार ऊपर की किसी एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निर्दिष्ट रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जायेंगे।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए या वह
- (ख) नेपाल की प्रजा; या
- (ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) ऐसा निम्नलिखित शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो; या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और चीनिया, उर्गाबा तथा

तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया और बियननाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रना (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो, उसे तीन प्रयास से अधिक की अनुमति नहीं दी जायेगी। यह प्रमाण-पत्र वर्ष 1982 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी :—1. यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो तो इस नियम के प्रयोजन के लिए मान लिया जायेगा कि वह उक्त परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सब सेवाओं/पदों के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :—2. यदि कोई उम्मीदवार बस्तुतः एक या अधिक विषयों में बैठा हो तो यह मान लिया जायेगा कि वह परीक्षा के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :—3. उम्मीदवार के परीक्षा में उपस्थित होने को उसके द्वारा लिया गया एक अक्षर गिना जायेगा चाहे वह परीक्षा हेतु अयोग्य ठहरा दिया जाये। उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

6.(क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि 1 जनवरी, 1986 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चुकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1961 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1966 के बाद न हुआ हो।

(ख) भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों तथा साथ में संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालयों या चुनाव आयोग और केन्द्रीय सशक्त आयोग के कार्यालयों या लोक सभा/राज्य सभा निकाय में कम से कम 3 वर्ष की लगातार तथा नियमित सेवा पहली जनवरी 1986 तक कर लेने वाले। सोवरि डिबीजन क्लर्क/अपर डिबीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर, ग्रेड घ के माथे में 30 वर्ष की आयु तक ढील दी जा सकेगी।

ऐसे पदों पर कार्य कर रहे उम्मीदवार जिनका पदनाम सोवरि डिबीजन क्लर्क/अपर डिबीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर, ग्रेड घ नहीं है, इस उप-नियम के अन्तर्गत आयु में छूट पाने के पात्र नहीं होंगे अर्थात् उनके द्वारा धारित पद गमान वेतनमान के हों/हो न हों।

(ग) ऊपर बर्णित गई अतिरिक्त आय-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकेगी :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (इब्र बंगलादेश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पाकिस्तान (इब्र बंगलादेश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और दिसम्बर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा दिसम्बर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(8) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कानिया, उगांडा, तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रवास किया हो, या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत सरकार से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कानिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में मुक्त किये गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(11) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिनके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास बियननाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है और जो बियननाम में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बियननाम से बस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिनके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास बियननाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और जो बियननाम से जुलाई 75 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों प्राप्त अधिकारियों (प्राप्त-कावोन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1986 को छः महीनों के अंदर पूरा होना है या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक क्षमता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों प्राप्त अधिकारियों (प्राप्त-कावोन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 को छः महीनों के अंदर पूरा होना है या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक क्षमता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(16) प्राप्तकावोन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष, जिन्होंने 1-1-1986 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और उनके बाद सैनिक सेवा में रखे जाते हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय की एक प्रमाणपत्र जारी करता होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के भीतर पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे प्राप्तकावोन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने 1-1-1986 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाते हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय की एक प्रमाणपत्र जारी करता होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के भीतर पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पृथ्वी जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया था तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पृथ्वी जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(20) यदि कोई उम्मीदवार 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1986 तक सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उसके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(21) वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हैं और 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1983 तक सामान्यतः असम राज्य में रहे हैं, उनके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी:—(1) भूतपूर्व सैनिक जो भूतपूर्व सैनिकों का पुनर्निर्माण के लिए हो जाने वाले मुश्किलों प्राप्त करके पहले से ही सिविल क्षेत्र में सरकारी सेवा में कार्यरत हैं वे नियमावली के नियम 6 (ग) (14) और (15) के के अधीन आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

ऊपर की गयी व्यवस्था को छाड़कर निम्नलिखित आनु-मात्रा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

टिप्पणी:—जिन उम्मीदवारों को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उनको उम्मीदवारों रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदनपत्र भेजने के बाद वह परीक्षा में पहुँचे या परीक्षा देने के बाद सेवा में स्थापित न हो सके है या बिना किसी कारण के उम्मीदवारों गमना कर दी जाती है किन्तु आवेदनपत्र भेजने समय यदि उनकी सेवा या पत्र में छूटनी हो जाती है तो वह पात्र नहीं बना रहेगा।

जो लोअर डिवीजन कर्मी/अवर डिवीजन कर्मी/स्टेनोग्राफर, ग्रेड 5 नक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन लेकर किसी संबंधित पद पर प्रतिनिधित्व है या जिसका किसी अन्य पद पर स्थानांतरण हो जाता है किन्तु जिस पद पर से स्थानांतरित हुआ है उस पर उसका नियम बना रहता है वह यदि अवस्था उपर्युक्त हुआ तो परीक्षा में प्रवेश का पात्र बना रहेगा।

7. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विज्ञान सभा मंडल द्वारा निर्दिष्ट किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1965 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के छात्रों में मान्य गयी किसी अन्य शिक्षा संस्था की डिग्री होना चाहिए।

टिप्पणी: 1. ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष हो रखने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी: 2. कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आवेदन की परीक्षा के लिए वैधिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की भूजता नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है आवेदन की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी: 3. विशेष परिस्थितियों में संघ सशस्त्र सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिनके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा सी गेट कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आवेदन के अनुरूप होना हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों, चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हुए हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों या वे जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं उन सब को इस आशय का परिचयन (अपडेटिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह चर्चित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग का उनके निष्कर्ष से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने में सम्बद्ध अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र प्रपत्रों का रद्द किया जावेगा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जावेगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार का पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि उनके पास आयोग को प्रवेश प्रमाणपत्र (एडमिशन कार्ड) न हो।

11. उम्मीदवार को प्रायोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित फीस देनी होगी।

12. जिस उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा।
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों, जो अप्रसीज भाषा में अक्षर प्रक्षय की हो, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो,
- (10) परीक्षा चलाने के लिए प्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार को शारीरिक और पटुवाई हो,
- (11) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए प्रयत्नरित किया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उनके साथ ही उसे—

(क) प्रायोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए प्रयोग ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) प्रायोग द्वारा ही जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा भवन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है :

किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित, अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुसंध समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई भी विचार न कर लिया गया हो।

13. परीक्षा के बाह्य प्रायोग तुर एक उम्मीदवार का अन्तिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुगता की जाएगी जो प्रायोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गये हों :

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तथा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए प्रायोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता-क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिए अनुसूचित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय प्रायोग स्वयं करेगा और प्रायोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं के अन्तर्गत परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताये गये श्रेयता क्रम पर उचित ध्यान दिया जायेगा। यह आवेदन पत्र प्रायोग द्वारा उसको तभी दिया जायेगा जब यह उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर अन्तिम रूप से प्रवृत्ता प्राप्त घोषित कर दिया जाता है।

16. नियुक्तियां दो वर्ष की परीक्षा अवधि पर की जाएंगी यदि आवश्यक समझा गया तो परीक्षा अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

17. उम्मीदवार को सहायक ग्रेड में उनकी नियुक्ति की शारीक से दो वर्ष की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रतिमिनट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रतिमिनट की गति से हिन्दी टाइपिंग पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकें तो वे सहायक ग्रेड में आगे बेतन वृद्धि पाने के तब तक हकदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें किसी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाये और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनका बेतनमान कर फिर से इस प्रकार नियत किया जायेगा कि उनकी बेतन वृद्धि रोक दी नहीं गयी हो परन्तु जितनी अवधि के लिए बेतन वृद्धि रोक दी नहीं उस अवधि का वक्तवा बेतन उन्हें नहीं दिया जायेगा।

18. जिन व्यक्तियों ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सुख के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सशम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरों परीक्षा के बाह्य किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात सुना कि वह इस बातों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति मही की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरों परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की संभावना है।

20. परीक्षा में पास हो जाने से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाना इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्वागत की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

21. भारतीय विदेश सेवा (ख) सेवे छोड़े सचिवालय सेवा, केंद्रीय सचिवालय सेवा और सहाय्य सेवा मुआलम सचिवालय सेवा में मनुष्यों के पदों की सेवा की शर्तें परिशिष्ट-II में संक्षिप्त में दी गयी हैं।

पी. सी. कपूर, प्रवर सदस्य

परिशिष्ट-I

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे—

क्र. सं.	विषय	कोड सं.	पूर्णांक	दिया गया समय
1	2	3	4	5
1.	निबन्ध	01	100	2 घण्टे
2.	अंग्रेजी—दो भागों में			
	I और II	200		3 घण्टे
	भाग-I	02	70	1 घण्टा
	भाग-II	03	130	2 घण्टे
3.	अंकगणित	04	100	2 घण्टे
4.	सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल भी सम्मिलित है	05	100	2 घण्टे

विशेष ध्यान :—यदि कोई उम्मीदवार अंग्रेजी प्रश्नपत्र के कामने में अनुमत समय सीमा में परीक्षा भवन में नहीं पहुंचता है और उसे भाग-I परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता है तो वह उक्त प्रश्न पत्र जो भाग-II परीक्षा में बैठने का हकदार नहीं होगा।

2. अंग्रेजी भाग-I अंकगणित और सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल सम्मिलित है, के प्रश्न पत्रों में बहुत परक प्रश्न पूछे जायेंगे।

3. परीक्षा का पाठ्यविवरण साथ संलग्न अनुसूची में है।

4. उम्मीदवार प्रश्न पत्र-1 का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में दे सकते हैं। निबन्ध, अंकगणित तथा सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल सम्मिलित है, के प्रश्न पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किये जायेंगे।

टिप्पणी 1. यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगा उसी प्रश्न पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिए नहीं।

टिप्पणी 2. प्रश्न पत्र-1 के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में छिपका देने वाले उम्मीदवारों को अपने इस हस्ताक्षर का उल्लेख अपने प्रश्न पत्र के कागज 14 में स्पष्ट रूप में करना चाहिए ताकि यह समझा जाये कि वे प्रश्न पत्र-1 का उत्तर सही में ही देंगे।

एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जायेगा और उक्त कागज में कोई परिवर्तन करने का अवरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

यदि उम्मीदवार प्रश्न-पत्र-I के उत्तर आवेदन पत्र में निर्दिष्ट माध्यम के अलावा किसी अन्य माध्यम में लिखते हैं तो उन उम्मीदवारों के उक्त प्रश्न-पत्र मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार निबन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प दे चुके हैं वे अगर चाहें तो हिन्दी की तकनीकी शब्दावली यदि कोई हो, के साथ-साथ अंग्रेजी पर्याय भी दे सकते हैं।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आवेदन अपनी विवेका पर परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. खराब लिखाई के कारण प्रत्येक विषय के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जायेंगे।

9. निबन्ध तथा अंग्रेजी भाग-II में कम से कम शब्दों में कमबद्ध, पभावपूर्ण ढंग में और ठीक-ठीक की गयी भावाभिव्यक्ति को विशेष श्रेय दिया जाएगा।

10. प्रश्न पत्र, जहां आवश्यक हों, तौलों और मापों की मीट्रिक प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय जनों के अन्तराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

12. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर्स का प्रयोग नहीं कर सकते। धनः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

अनुसूची

परीक्षा की पाठ्यचर्या

(1) निबन्ध कोड सं. (1) —दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा।

(2) अंग्रेजी

अंग्रेजी भाग-I कोड सं. (2) :—प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा इस भाषा में सही तथा प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की सामर्थ्य का पता चल सके।

अंग्रेजी भाग-II कोड सं. (04) :—प्रश्न पत्र में इस प्रकार के प्रश्न होंगे जिनसे उम्मीदवारों की अच्छी अंग्रेजी लेखन तथा सार लेखन की सामर्थ्य का पता चल सके।

(3) अंकगणित (कोड सं. 04) :—सख्याओं, हारेखों, प्रारम्भिक सांख्यिक, तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

(4) सामान्य ज्ञान :—जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है (कोड सं. 05) सामाजिक घटनाओं का ज्ञान जो कुछ हम प्रतिदिन देखते हैं और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान जो एक साधारण पठन-पाठ्य आदेश का हिस्सा चाहिए, जिससे किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे इस प्रश्न-पत्र में भारतीय इतिहास से संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जायेंगे जो कि उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों में सम्बन्धित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है :—

(1) प्रारम्भिक विदेश सेवा (ख) :—

विदेश मंत्रालय में और विदेश स्थित भारतीय राजनयिक कोसलर मिशनों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा वाणिज्य मंत्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में सम्मिलित हैं। ग्रेड-4 के नीचे के ग्रेडों को छोड़कर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड निम्नलिखित हैं :—

ग्रेड	पदनाम	वेतनमान
ग्रेड-I	मुख्यालयों में अधिवक्ता विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर प्रथम और द्वितीय सचिव	रु. 1200-50-1600 5555 5555 5555
समेकित	मुख्यालयों में सहाय्यारी	रु. 650-30-740-35-
ग्रेड-II	(भतारों) और अनुभाग अधिकारी	810-द.रो.-35-880
और III	विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों में उप कांसुल और रजिस्ट्रार	40-1000-द.रो.-40 1200
ग्रेड-IV	मुख्यालयों में तथा विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर सहायक	रु. 425-15-500-द.रो.- 15-560-20-700- द.रो.-25-800

टिप्पणी—समेकित ग्रेड-II और III में पदोन्नत सहायकों को कम से कम 710/- रुपए मासिक वेतन दिया जाता है।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण देते होंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास न करने पर परीक्षाधीन व्यक्ति को नौकरी से निकाला जा सकता है।

3. परीक्षा अर्हता समारण होने पर सरकार परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर रणायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका काय या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अर्हता की जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और अन्य किसी सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। उसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो चले भारत में अथवा विदेश में किसी अवसर पर नियुक्त किए जाएं सेवा करने को बाध्य होंगे।

5. विदेशों में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों का मूल वेतन के प्रतिशत सक्क देणों, मन्थन, व्यव आदि के अनुसार समय-समय पर स्वीकृत की जाने वाली दर पर विदेश भत्ता भी दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (पी. एल. सी. ए.) नियमावली 1961 के अनुसार जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों पर लागू हो गई है, विदेशों में सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी प्राण्य हैं :—

(1) सरकार द्वारा निर्धारित मानक अनुसार सूसज्जित निःशुल्क आवास;

- (2) सहायता-प्राप्त चिकित्सा परीक्षा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परीक्षा सुविधाएं;
- (3) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उनके परिवारों के लिए गृह अथवा भत्ता;
- (4) सरकार द्वारा यथा परिभाषित आपातकाल जैसे भारत में (किसी निकट सम्बन्धी की मृत्यु अथवा गम्भीर बीमारी के समय भारत जाने और विदेश में कार्यस्थल पर वापस लौटने के लिए जाने-आने का एकल हवाई यात्रा व्यय जो पूरी सेवाकाल के दौरान अधिक से अधिक दो बार मिलेगा;
- (5) भारत में क्षेत्रीय शैक्षिक संस्था में अध्ययनरत 6 से 22 वर्ष तक की छात्र के बच्चों को कुछ शर्तों पर छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता के पास आने-जाने के लिए वार्षिक हवाई यात्रा व्यय;
- (6) उक्त अधिकारी को विदेश में तैनाती स्थल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक की छात्र तक के बच्चों की शिक्षा का व्यय जो अधिकतम दो बच्चों तक मिलेगा; कुछ शर्तों के अधीन सरकार द्वारा बहन किया जाता है;
- (7) विदेशों में प्रति तैनाती पर रु. 1750/- परिसंरक्षा भत्ता जो सारी सेवाकाल के दौरान अधिक से अधिक 8 अवसरों तक मिलेगा।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता, और पदोन्नति), नियमावली 1964 के अधीन और अन्य ऐसे नियमों और विनियमों के अधीन होंगे जो सरकार अधिनियम बनाये और उक्त सेवा पर लागू करें।

7. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग सहायक ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग वरिष्ठता और पदोन्नति), नियमावली, 1969 में समाविष्ट उपबन्धों के अनुसार उक्त ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पाव होंगे।

टिप्पणी—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-1 के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (क) के रु. 1200-50-1300-60-1600-द.रो.-60-1900-100-2000 के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के लिए सीमित कोटा उपलब्ध है।

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा :—

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के हम समय निम्नलिखित 4 ग्रेड हैं :—

1. चयन ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु. 1500-60-1800-100-2000।
2. ग्रेड-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु. 1200-50-1600।
3. अनुभाग अधिकारी ग्रेड—रु. 650-30-740-35-810-द.रो.-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200।
4. सहायक ग्रेड—रु. 425-15-500-द.रो.-15-560-20-700-द.रो.-25-800।

टिप्पणी—अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नति सहायक कम से कम 710/- रु. प्रति मास वेतन प्राप्त करते हैं।

सहायक के रूप में सीधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अर्हता के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसी परीक्षाएं देनी होंगी जो सरकार निर्धारित करे यदि वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखा सके और परीक्षाएं पास न कर सकें तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा मुक्त किया जा सकता है।

परिबीक्षा अवधि के सम्पन्न होने पर सरकार परिबीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवाभूक्त कर सकती है या उसकी परिबीक्षा की अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

उक्त सेवा के सहायक ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर प्राप्ती नियमों के अनुसार अपने उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेल विभाग तक ही सीमित है और इसके कर्मचारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कर्मचारियों की तरह अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं किए जा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी :—

- (1) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (2) गैर अंग्रेजी राज्य रेलवे बलिष्ठ निधि के नियमों के अन्तर्गत उक्त निधि में अर्पण करने जो कि रेल कर्मचारियों पर उनके सेवा में सम्मिलित होने की तारीख से लागू हो जाते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार पाम और पी. टी. ओ. के हकदार होंगे।

जहाँ तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु शिक्षा सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय तब दिल्ली में हैं।

(3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा :—

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे 4 ग्रेड हैं :—

- (1) ज्यम (सेलेक्शन) ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)—
र. 1300-60-1800-100-2000।
- (2) ग्रेड-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—
र. 1200-50-1600।
- (3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड—र. 650-30-740-35-810-द.रो.-
35-880-40-1000-द.रो.-40-1200।
- (4) सहायक ग्रेड—र. 425-15-500-द.रो.-15-560-20-700-
द.रो.-25-800।

टिप्पणी :—जो सहायक अनुभाग अधिकारियों के पद पर पदोन्नति किये जाते हैं उन्हें कम से कम 710 र. प्रति मास वेतन दिया जाएगा।

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीबीक्षा पर रखा जाएगा। इस परीबीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण देना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीबीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो परीबीक्षाधीन व्यक्ति को सेवाभूक्त किया जा सकता है।

(3) परीबीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीबीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवाभूक्त कर सकती है या उसकी परीबीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

(4) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल किसी एक मंत्रालय या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय किसी अन्य मंत्रालय या कार्यालय में स्थानान्तरण किया जा सकता है।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(6) जिन व्यक्तियों को उनके अपने ही विभाग के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त किया गया हो, वे अपनी ह्रास नियुक्ति के बाद किसी अन्य सर्वर (कैडर) के किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे।

(4) सहाय सेवा मुख्यालय सिविल सेवा :—

सहाय सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय नीचे लिखे चार ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
(1) ज्यम ग्रेड (न्युक्ल निदेशक या सिस्टम सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क)	र. 1500-60-1800
(2) सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क)	र. 1100-50-1600
(3) सहायक सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप ख—राजपत्रित)	र. 650-30-740-35-810-द.रो.- 35-880-40-1000-द.रो.- 40-1200
(4) सहायक (ग्रुप ख—अराजपत्रित)	र. 425-15-500-द.रो.-15- 560-20-700-द.रो.-25-800

टिप्पणी :—

(1) सहायक ग्रेड के अधिकारी को सहायक सिविलियन स्टाफ अफसर के ग्रेड में पदोन्नत होने पर सहायक सिविलियन स्टाफ अफसर के ग्रेड के वेतनमान में कम से कम 710/- र. का आरम्भिक वेतन दिया जाएगा।

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीबीक्षा में रखा जाएगा। इस परीबीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण देना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीबीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकता है।

(3) परीबीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीबीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवाभूक्त कर सकती है या उसकी परीबीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

(4) सहाय सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को किसी सेना मुख्यालय या सहाय सेवा मुख्यालय सिविल सेवा योजना में शामिल हो रहे सहाय सेवा संगठनों में से किसी एक में नियुक्त किया जाएगा। तथापि उन्हें किसी भी समय इसी प्रकार के किसी अन्य मुख्यालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

(6) जो व्यक्ति, सहाय सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के सहायकों के ग्रेड में नियुक्त हो गए हैं, उनका ऐसी नियुक्ति के उपरान्त इस सेवा से बाहर किसी पद पर नियुक्ति अथवा स्थानान्तरण के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं होगा।

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING

New Delhi, the 6th September, 1986

RULES

No. 6/3/86-CS(I).—The Rules for a competitive examination viz. Assistants Grade Examination, 1986 to be held by the Union Public Service Commission in 1987 for the purpose of filling vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

- (i) Grade IV (Assistants) of General Cadre of the Indian Foreign Service (B) ;
- (ii) Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service ;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service ;
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service ; and
- (v) Posts of Assistant in other Departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS(B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe shall be permitted more than three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a certificate shall be deemed to have made an attempt at the examination once for all the Services/posts covered by the examination if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 3.—Notwithstanding the disqualification/cancellation, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1986, i.e. he must have been born not earlier than the 2nd January, 1961 and not later than the 1st January, 1966.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs/UDCs/Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1986 in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDC/UDC/Stenographer Grade D will not be eligible for age relaxation under this sub-rule, even though the posts held by them are identical pay scale.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 .

- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide Indian repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of 5 years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least 5 years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to the completed within six months from 1st January, 1986, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Services as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986), otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of 5 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1986 and are retained in the Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issued a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment;
- (xvii) upto a maximum of 10 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1986 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973;

(xix) up to a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 ;

(xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985 ;

(xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE.—Ex-servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (xiv) and (xv) of the Rules.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

NOTE.—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 6(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from Service or his services are terminated by his Department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An LDC[UDC]Stenographer Grade D who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possesses an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree will also be eligible for admission to the examination.

NOTE II.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educational qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

NOTE III.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he has passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees, or those serving under Public enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected and candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means ; or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script (s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or

(xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred, either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services|posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services|Posts in the detailed application form which will be supplied to him by the Commission if he is declared finally qualified on the result of the examination.

16. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

17. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi

within a period of two years from the date of appointment to the Assistants' Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistants' Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be refixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

20. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service|Post.

21. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix II.

P. C. KAPOOR, Under Secy.

APPENDIX I

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Sl. No.	Subject	Code No.	Max. Marks	Time Allowed
1.	Essay	01	100	2 hours.
2.	English in two Parts (I&II)		200	3 hours
	Part I	02	70	1 hours
	Part II	03	130	2 hours.
3.	Arithmetic	04	100	2 hours.
4.	General Knowledge including Geography of India	05	100	2 hours.

N.B.—In the case of the paper “English” if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

2. The question papers in English Part I, Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will consist of objective type questions.

3. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

4. Candidates are allowed the option to answer Paper I either in Hindi (Devanagari) or in English. Question papers in Essay, Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will be set both in Hindi and in English.

NOTE 1.—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer Paper I in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in Col. 6 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the paper in English.

The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

Candidates who opt to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms. If any, in addition to the Hindi version.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion of fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for each subject will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in Essay and English Part II of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving numerals the Metric System of weights and measures only will be set.

11. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

12. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

(1) Essay (Code No. 02).—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(2) English

English Part I (Code No. 02).—Paper will be designed to test the candidates ability to understand English and write in that language correctly and effectively.

English Part II (Code No. 03).—Paper will consist of questions designed to test candidates ability to write good English and for precis writing.

(3) Arithmetic (Code No. 04).—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(4) General Knowledge including Geography of India (Code No. 05).—Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer with special study.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) Indian Foreign Service (B) :—All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad, and few posts of Assistants in the Ministry of Commerce are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows :—

Grade I	Designation	Scale of pay
Grade I ₁	Under Secretaries at Hqrs. First and second Secretaries in Missions and posts abroad.	Rs. 1200-50-1600.
Integrated Grades II & III	Attache and Section Officer at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and Posts abroad.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE : Assistants promoted to the integrated Grade II & III are allowed a minimum pay of Rs. 710 p.m.

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such

tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts including in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules;
- (iv) Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two years throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government;
- (v) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions;
- (vi) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.
- (vii) Outfit allowance Rs. 1,750 per posting abroad subject to maximum of 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS(B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS(B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE : In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 1200—50—1300—60—1600—EB—60—1900—100—2000.

(ii) The Railway Board Secretariat Service :—The Railway Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows :—

1. Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 1500—60—1800—100—2000.
2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 1200—50—1600.
3. Section Officers Grade Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.
4. Assistants Grade Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

NOTE : Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum of Rs. 710 p.m.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistant's Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railway Board Secretariat Service is confined to the Department of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules :

- (i) Will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) Shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff including in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service :—The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 1200—50—1600.
- (3) Section Officers Grade Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.
- (4) Assistants Grade Rs. 425—15—500—EB—560—20—700—EB—25—800.

NOTE : Assistants promoted as Section Officers are allowed at a minimum pay of Rs. 710 p.m.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period of Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their opinion for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service :—The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present four grades as follows :—

Grade	Scale of pay
(1) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) Group A.	Rs. 1500-60-1800.
(2) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 1100-50-1600.
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Group-B-Gazetted)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
(4) Assistant Civilian Staff Officer (Group-B-Gazetted)	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE : An officer of the Grade of Assistant promoted to the grade of Assistant Civilian Staff Officer shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710 in the scale of the Grade of Assistant Civilian Staff Officer.

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may be either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that Service.